नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 259 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, गुरुवार 28 जुलाई 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

भौतिकी व जंतु विज्ञान संकाय में सीट बढ़ाने की मांग

विधायक शैलेश पांडेय जनता के बीच बेचारा,लाचार बनने की कोशिश ...

पेज -4 पर

सोनिया गांधी से पूछताछ का विरोध

रायपुर में डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा के पास कांग्रेसियों ने दिया धरना, गांधी की छांव में थे

रायपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय(श्वष्ठ) की पूछताछ का विरोध लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को रायपुर कलेक्ट्रेट के नजदीक डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के पास धरना दिया। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस के लोग महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सत्याग्रह पर बैठे थे।

रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे और रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे की अगुवाई में दर्जनों कार्यकर्ता दोपहर में डॉ. आम्बेडकर प्रतिमा के पास इकट्?ठा हुए। डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने हाथ में तख्तियां ले रखी थीं, उसपर श्वष्ठ सरकार की पिट्?ठू है। केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग बंद करो और सत्यमेव जयते आदि लिखा हुआ था।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कुछ ऐसी ही नारेबाजी की। शहर कांग्रेस के अध्यक्ष गिरीश दुबे ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार लगातार विपक्ष के नेताओं को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा, देश में बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी से आम जनता परेशान है। ऐसे मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाकर विपक्ष के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने कहा, नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी को निर्वाचन आयोग में क्लीन चिट दे दी गई थी। अब उसे आठ साल बाद बिना तथ्य एवं बिना तर्क के परेशान करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की सुनियोजित नीति है। वह विपक्ष के लोगों की आवाज बंद करना चाहती है। भाजपा पहले लोगों की सीडी चलाती थी अब ईडी चला रही है। प्रदर्शन में संजय पाठक, देव कुमार साहू, दीपा बग्गा, प्रशांत ठेंगड़ी, कामरान अंसारी, दिनेश ठाकुर, बंशी कन्नौजे आदि शामिल थे। युवा कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम तेलीबांधा में प्रदर्शन किया था। दिल्ली पुलिस द्वारा राहुल गांधी को गिरफ्तार करने और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास वीबी के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाकर प्रदर्शन हुआ। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लोकेश वशिष्ठ की अगुवाई में प्रदर्शनकारियों ने तेलीबांधा चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का पुतला जलाया। मंगलवार को युवा कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय-श्वष्ठ के पुजारी पार्क स्थित कार्यालय के बोर्ड के पास भाजपा कार्यालय का बोर्ड लगा दिया।

पुलिस मुखबिरी के शक में ग्रामीण की हत्या

देर रात 12 नक्सली घर से उठाकर ले गए थे जंगल, फिर धारदार हथियार से रेता गला

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि, देर रात करीब 10 से 12 की संख्या में पहुंचे माओवादियों ने वारदात को अंजाम दिया है।

पहले ग्रामीण को घर से उठाया, फिर कुछ दूरी पर लेकर गए। जहां धारदार हथियार से गला रेत कर उसे मार दिया गया है। फिलहाल मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामला जिले के गादीरास थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जिले के मारोकि गांव का रहने वाला देवा कई दिनों से नक्सलियों के निशाने पर था। वहीं मंगलवार की देर रात मलांगेर एरिया कमेटी के करीब 10 से 12 की संख्या में हथियारबंद माओवादी देवा के घर पहुंच गए। इनमें कुछ महिला माओवादी भी शामिल थी। 4 नक्सली देवा के घर घुसे। जिन्होंने उसे घर से उठा लिया, इसके बाद उसे जंगल की तरफ लेकर गए। जहां उसे धारदार हथियार से गला रेत कर मौत की सजा दे दी। वारदात को अंजाम देने के बाद माओवादियों ने शव को गांव के ही नजदीक फेंक दिया। जिसके बाद सभी जंगल की तरफ लौट गए। नक्सलियों के डर की वजह से ग्रामीणों ने हत्या की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी। फिलहाल अंदरूनी और नक्सल प्रभावित इलाका कोने की वजह से ज्यादा जानकारी निकलकर सामने नहीं आ सकी है।

एक नजर

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की दी बधाई और शुभकामनाएं

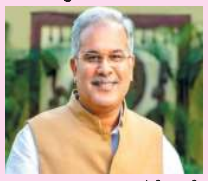

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। हरेली की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी अपने शुभकामना संदेश में श्री बघेल ने कहा है कि हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

श्री बघेल ने कहा कि गांव-गांव में हरेली के पर्व को बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई और पूजा की जाती है। पारंपरिक तरीके से लोग गेड़ी चढ़कर हरेली की खुशियां मनाते हैं। प्राचीन मान्यता के अनुसार सुरक्षा के लिए घरों के बाहर नीम की पत्तियां लगाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ की इस गौरवशाली संस्कृति और परम्परा को सहेजने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने हरेली त्यौहार के दिन सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया है।

बिलासपुर में कर्मचारी-टीचर्स की हड़ताल का असर-

तहसील दफ्तर में भटक रहे लोग, अस्पताल में टीकाकरण ठप, मरीज भी परेशान

बिलासपुर। अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन और टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश व्यापी आंदोलन के चलते तहसील और राजस्व न्यायालयों के कर्मचारी हड़ताल पर है, जिसकी वजह से लोग भटक रहे हैं। वहीं, स्कूल में टीचरों और कर्मचारियों के नहीं पहुंचने की वजह से स्कूल भी बंद हैं। उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी ताले लटक रहे हैं और टीकाकरण ठप हो गया है। मरीज भी इलाज के लिए भटक रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के हड़ताल का जिले में व्यापाक असर दिख रहा है। अब जिले की स्वास्थ्य सुविधा पर भी आंदोलन का असर देखने को मिल रहा है।

बुधवार को को जिले के 198 उप स्वास्थ्य केंद्र में ताला लटका रहा। ऐसे में ग्रामीण इलाज के लिए भटकते हुए नजर आए। वही शून्य से पांच साल के बच्चों का नियमित टीकाकरण के साथ गर्भवतियों महिलाओं का टीकाकरण भी बंद रहा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही है।

छत्तीसगढ़ में मंकीपॉक्स का संदिग्ध केस

रायपुर में एक छात्र में दिखे लक्षण, मेकाहारा में भर्ती, हॉस्टल के साथी क्वारंटाइन में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंकीपॉक्स महामारी का एक संदिग्ध केस मिला है। यह रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित जैतूसाव मठ की संस्कृत पाठशाला का एक 13 वर्षीय विद्यार्थी है। बच्चे के शरीर पर लाल दाने हैं। उसे बुखार भी है। मंकीपॉक्स के लक्षण देखकर उसे डॉ. भीमराव आम्बेडकर अस्पताल (मेकाहारा) के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर लिया गया है। मरीज के नमूने पुणे स्थित नेशनल वॉयरोलॉजी लैब को भेजे गए हैं। बताया जा रहा है कि मूल रूप से कांकेर का रहने वाला यह 13 वर्षीय छात्र जैतूसाव मठ के छात्रावास में रहता है। तीन दिन पहले उसके शरीर पर लाल दाने दिखाई दिए। सोमवार को उसे

बुखार, तेज सिरदर्द, पीठ दर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान जैसे लक्षण आते हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जिला अस्पताल के चर्म रोग विभाग की ओपीडी में दिखाया गया। वहां मंकीपॉक्स संदिग्ध मानकर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज जाने को कहा। मंगलवार को उसे मेडिकल कॉलेज से संबद्ध डॉ. भीमराव आम्बेडकर अस्पताल की ओपीडी में दिखाया गया। यहां शुरुआती जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चे को रोक लिया। उसे आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया। इसकी जानकारी राज्य स्तरीय सर्विलेंस टीम को दी गई। उसके बाद छात्रावास में रह रहे शेष 19 बच्चों को भी क्वारंटाइन कर दिया गया है। उनकी सेहत पर नजर रखी जा रह है। महामारी के प्रोटोकाल के मुताबिक मरीज और उसके साथ के बच्चों के सैंपल को जांच के लिए नेशनल वॉयरोलाजी लैबोरेट्री भेजा गया है।

10 ट्रेनें हुई कैंसिल

जबलपुर रेल मंडल में होगा नॉनइंटरलॉकिंग का काम, सात जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों में लगेंगे एक्स्ट्रा कोच

बिलासपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के कछपुरा रेलवे स्टेशन में 28 जुलाई से नॉनइंटरलॉकिंग का काम होगा। इसके चलते 28 और 29 जुलाई को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर से होकर चलने वाली 10 गाड़ियों को कैंसिल कर दिया गया है। दूसरी ओर रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों में यात्रियों के बढ़ते दबाव और कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के लिए सात जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों में एक्स्ट्रा कोच लगाने का फैसला लिया है।

रदद होने वाली गाड़ियां

28 जुलाई 2022 को जबलपुर से छूटने वाली 05703 जबलपुर-नैनपुर स्पेशल रद्द रहेगी।

28 एवं 29 जुलाई 2022 को नैनपुर से छूटने वाली 05704 नैनपुर-जबलपुर स्पेशल रद्द रहेगी।

28 एवं 29 जुलाई को नैनपुर से छूटने वाली 05709 नैनपुर-मंडला फोर्ट स्पेशल रद्द रहेगी।

28 एवं 29 जुलाई को मंडला फोर्ट से छूटने वाली 05710 मंडला फोर्ट- नैनपुर स्पेशल रद्द रहेगी।

28 जुलाई को जबलपुर से छूटने वाली 05705 जबलपुर-नैनपुर स्पेशल रद्द रहेगी।

28 जुलाई को नैनपुर से छूटने वाली 05706 नैनपुर-जबलपुर स्पेशल रद्द रहेगी।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को मिला 3 पुरस्कार

पखवाड़ा के दौरान पुरुष नसबंदी में छत्तीसगढ़ पिछले 3 वर्षों से देश में प्रथम स्थान पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ को पुरूष नसबंदी पखवाड़ा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने तीन पुरस्कारों से नवाजा है। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान पिछले तीन वर्षों 2019 से 2021 के बीच नसबंदी में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने आज नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश को इस उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया। परिवार नियोजन कार्यक्रम

के उप संचालक डॉ. टी.के. टोंडर एवं कंसल्टेंट डॉ. रोशन गुप्ता ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया। पुरुष नसबंदी के लिए प्रदेश को दो और श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक पुरुष नसबंदी के लिए डॉ. संजय नवल को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार मिला है।

कांग्रेस सरकार में सिर्फ़ जुमलेबाज़ी - बृजमोहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर बुधवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वार-पलटवार के साथ चर्चा हुई. बीजेपी विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने सरकार पर आक्रमण करते हुए कहा कि हमारे अविश्वास प्रस्ताव लाने के पहले एक मंत्री ने सरकार के ख़िलाफ़ अविश्वास जता दिया. सरकार में दम नहीं कि उस मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर निकाल दे. इस सरकार में सिर्फ़ जुमलेबाज़ी है.

शासन को प्रशासन पर विश्वास नहीं है. शासन पर जनता को विश्वास नहीं. इस दौरान उन्होंने कहा कि सच कोने में दुबका है,

दरारों से झांक रहा है. झूठ मदमस्त होकर चौराहे पर नाच रहा है. इस पर मंत्री कवासी लखमा ने टोकते हुए कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है या कवि सम्मेलन चल रहा है. इस पर सत्तापक्ष के विधायक मोहन मरकाम ने सरकार की उपलब्धि गिनाने के साथ विपक्ष की खामियों को गिनाया. भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ये कैसी सरकार है? ये सरकार ऐसा कुनबा है जहां लट्ठ चल रहे हैं. एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे हैं. मुख्यमंत्री को मंत्री, मंत्री को मुख्यमंत्री पर विश्वास नहीं है.

अग्रवाल ने चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इस प्रदेश से 18 लाख लोगों की सिर से छत छिन जाती है. इस सरकार का ही मंत्री कहता है कि दस हज़ार करोड़ रुपए ग़रीबों के आवास के चले गए. हर गरीब आदमी का सपना होता है कि उसके सिर एक छत आ जाए. इससे बड़ा कोई पाप हो सकता है. 18 लाख लोगों के सिर से छत छिनने वाली सरकार पर अविश्वास ना जताए तो क्या करें? इस सरकार ने पौने दो लाख करोड़ रुपए का क़र्ज़ा लिया है. पीएसयू अंडरटेकिंग और राज्य शासन मिलाकर क़र्ज़ लिया गया.

मानसून सत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आया अविश्वास प्रस्ताव

भाजपा विधायक ने विश्व आदिवासी दिवस की छुट्टी को बताया राजनीतिक, बवाल से कार्यवाही रुकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार के के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा, इस सरकार ने सदन का विश्वास खो दिया है। उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

चर्चा के दौरान भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने विश्व आदिवासी दिवस के औचित्य पर सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, यह राजनीतिक छुट्टी है। इसके बाद सदन में बवाल हो गया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

दरअसल अविश्वास प्रस्ताव के विरोध में बोलते हुए संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त का जिक्र कर दिया। उन्होंने कहा, आदिवासी सम्मान से जुड़े इस दिवस को सरकार ने सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इसपर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा, विश्व आदिवासी दिवस उन देशों के लिए घोषित किया गया था जहां आदिवासी समुदाय संकटग्रस्त हैं। हमारे देश की इतिहास-परंपरा से इसका कोई लेना-देना नहीं है।

चंद्राकर ने कहा, यह शुद्ध रूप से राजनीतिक छुट्टी है। इस बयान के बाद कांग्रेस के लगभग सभी आदिवासी विधायक विरोध में खड़े हो गए। उनका कहना था, ऐसा करके अजय चंद्राकर आदिवासी समुदाय का अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, अजय चंद्राकर की यह भाषा हो गई है। किसी को आइटम गर्ल बोल दिया। किसी को चियरलीडर्स बोल दिया। यह ठीक नहीं है। हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सदन की कार्यवाही को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

बृजमोहन अग्रवाल ने की थी चर्चा की शुरुआत

ट्रेन की चपेट में आने से रेलकर्मी की मौत

डयूटी पर जाने के लिए रात को घर से निकला था, सुबह टुकड़ों में मिला शव

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में मंगलवार देर रात एक रेलवे कर्मचारी की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। रेलवे कर्मचारी रात में ड्यूटी के लिए घर से निकला था। इसके बाद सुबह उसके शव के टुकड़े रेलवे ट्रैक पर बिखरे मिले। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ ही तत्क्षभी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद उनकी पहचान हुई। करीब 17 घंटे बाद शव को रेलवे ट्रैक से हटाया जा सका। हादसा अकलतरा थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर के सिरगिट्टी निवासी जुगनू सिंह ठाकुर (50) पुत्र सनी सिंह रेलवे में ट्रैक मेंटेनेंस

का काम करते थे। वह मंगलवार देर शाम करीब 7.30 बजे घर से ड्यूटी के लिए अकलतरा रेलवे स्टेशन जाने के लिए निकले थे। आशंका है कि रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वह पैदल ही ट्रैक पर चलकर लटिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई होगी। हादसे का बुधवार सुबह स्टेशन मास्टर को पता चला। इसके बाद उन्होंने अकलतरा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन शव को हादसे के बाद 17 घंटे तक नहीं हटाया जा सका। फिलहाल पुलिस अभी तक पंचनामा कार्रवाई में व्यस्त है। शव के कपड़ों से मिले आईडी कार्ड से रेलवे कर्मचारी की पहचान हो सकी है। उनके परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुनिया को बताया- धरती की पूजा हमारी परंपरा

शपथ लेते ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं को संथाल और वनवासी बताते हुए जो बात कही, उसकी ओर दुनिया का ध्यान जाना बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा, मेरा जन्म तो उस जनजातीय परंपरा में हुआ है, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ ताल-मेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं।'

प्रकृति की पूजा और उससे सामंजस्य भारतीय संस्कृति का आधार रहा है। भारतीय ग्रंथों में प्रकृति का जिस तरह चित्रण हुआ है, उससे स्पष्ट है कि भारतीयता की धारा प्रकृति से जुड़ाव के साथ ही पुष्पित-पल्लवित हुई है। उदारीकरण के तमाम झंझावातों के बावजूद भारतीय आदिवासी समाज अब भी प्रकृति-प्रेम के अपने पारंपरिक पाठ को भूल नहीं पाया है। वनवासी समुदाय के स्वभाव में ही है कि प्रकृति से उतना ही लो, जितना जरूरी है। बदले में उसकी सेवा भी करो और जरूरत पड़े, तो उसके लिए मर-मिटो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चूंकि भारत की स्वाभिमानी संथाल समुदाय से आती हैं, लिहाजा उनकी रगों में भी यह अद्भुत प्रकृति-प्रेम लगातार बह रहा है। यही वजह है कि अपनी जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में भी उन्हें यह बात याद रही। महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज में आजाद भारत में जिस समाज और व्यवस्था की कल्पना की थी, उसके मूल में भी प्रकृति प्रेम के ये विचार ही थे। उन्होंने अपने चिंतन और व्यवहार में जिस अपरिग्रह की बात की है, दरअसल वह प्रकृति से जरूरत भर हासिल करने के मूल विचार पर ही आधारित है।

दुनिया पिछली सदी की तुलना में करीब डेढ़ डिग्री ज्यादा गर्म हो गई है। औद्योगिक क्रांति वाले पश्चिमी देशों ने अब प्रदूषण के कारकों पर नियंत्रण पाने की कवायद के तहत कभी तीसरी दुनिया माने जाते रहे देशों पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है।

राममनोहर लोहिया भी जब हिमालय बचाओ या नदियों की रक्षा की बात करते हैं, तो दरअसल वह भी भारतीयता की उसी वैचारिक धारा को अभिव्यक्त कर रहे होते हैं, जो प्रकृति पूजक है। यह भी संयोग है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जिस राजनीतिक धारा का प्रतिनिधित्व करती रही हैं, उसके वैचारिक पुरोधा दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक दर्शन भी अपरिग्रह और प्रकृति से सामंजस्य का हिमायती रहा है। दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विख्यात एकात्म मानवदर्शन में कहा है कि गैर-जरूरी उपभोग के लिए अंधाधुंध उत्पादन बढ़ाकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन गलत है।

ऐसा नहीं कि भारतीयता अपने इन पारंपरिक और अनमोल विचारों को भूल गई है। अंग्रेजी शासन की लूट-खसोट और भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से रौंदने वाले विलायती दर्शन से जो व्यवस्था तैयार हुई, उसने भारतीयों को इस वैचारिक दर्शन से दूर करके रख दिया। यूरोप की औद्योगिक क्रांति ने दुनिया को उपभोग की जो राह दिखाई, उदारीकरण की वैचारिक धारा ने उसे चरम पर पहुंचा दिया। इसका वैश्विक स्तर पर दुष्प्रभाव दिखने लगा है।

दुनिया पिछली सदी की तुलना में करीब डेढ़ डिग्री ज्यादा गर्म हो गई है। औद्योगिक क्रांति वाले पश्चिमी देशों ने अब प्रदूषण के कारकों पर नियंत्रण पाने की कवायद के तहत कभी तीसरी दुनिया माने जाते रहे देशों पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। लेकिन इन देशों की दुविधा यह है कि उनके सामने अपने करोड़ों नागरिकों के जीवन-स्तर को उठाना अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन जहां पहले नंबर पर है, वहीं भारत तीसरे स्थान पर है।

ऐसे में, अगर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाने के विचार को आगे बढ़ाने की बात करती हैं, तो वह दुनिया को संदेश दे रही हैं। संदेश यह कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन बंद हो, और प्रकृति के साथ जुड़ाव की परंपरा को राष्ट्रीय स्तर ही नहीं, वैश्विक स्तर पर बढ़ाया जाए। वह बताना चाहती हैं कि दुनिया उसी समाज के विचारों से आगे बढ़ सकती है, जिसे पिछड़ा और गंवार माना जाता रहा है।

उमेश चतुर्वेदी

संपादकीय

यूरोप को और झटका

यूरोपियन यूनियन के तहत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी हिलती दिख रही है। महंगाई और कर्ज के बढ़ते संकट के बीच इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्राघी ने दो रोज पहले इस्तीफा दे दिया।

यूरोप में जर्मनी को 30 साल में पहली बार व्यापार घाटा हुआ है। महंगाई का आलम यह है कि अब ट्रेड यूनियनें वहां हड़ताल पर जाने की धमकी दे रही हैं। बिगड़ती अर्थव्यवस्था का असर फ्रांस में दिख चुका है, जहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी को संसदीय चुनाव में अपना बहुमत गंवाना पड़ा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और एस्तोनिया की प्रधानमंत्री केजा कलास को हाल में इस्तीफा देना पड़ा। कलास ने नया गठबंधन बना कर फिर से सत्ता संभाली है। लेकिन देश राजनीतिक अस्थिरता में प्रवेश कर गया है। अब यूरोपियन यूनियन के तहत आने वाली तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी हिलती दिख रही है। महंगाई और कर्ज के बढ़ते संकट के बीच इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्राघी ने दो रोज पहले इस्तीफा दे दिया। 74 वर्षीय ड्राघी बैंकर हैं। 2008 के वित्तीय संकट के दौरान यूरो मुद्रा को बचाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। साथ ही इटली में आर्थिक स्थिरता लाने का श्रेय भी उन्हें रहा है। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच ड्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन में फूट पड़ गई है। फिलहाल इटली के राष्ट्रपति सर्गियो मातारेला ने ड्राघी का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। लेकिन राजनीतिक संकट दूर नहीं हुआ है। ड्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन से फाइव-स्टार पार्टी अलग हो गई है। उसने ड्राघी के आर्थिक सुधार कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार कर दिया है।

कंगारू कोर्ट के दौर में सांविधानिक अदालतें, प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की टिप्पणी के मायने

रिटायरमेंट के पहले सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण के कई बयानों ने बर्र के छत्ते को छेड़ दिया है। मुकदमों के बोझ से लदी न्यायपालिका के सामने कमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर, जजों की कमी और जजों की सुरक्षा पर उन्होंने चिंता जाहिर की। परंतु उनकी सबसे बड़ी बेचैनी सोशल मीडिया के माध्यम से चल रही कंगारू कोर्ट के बढ़ते प्रचलन पर है, जिससे अधिकांश जज त्रस्त चल रहे हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में उत्तेजक बहसों से क्या न्यायपालिका पर दबाव पड़ता है

सेलिब्रिटीज और बड़े आपराधिक मामलों में मीडिया ट्रॉयल से क्या न्यायिक व्यवस्था प्रभावित होती है? अनेक चर्चित मामलों की सुनवाई और फैसलों से इन सवालों का जवाब हां में दिया जा सकता है। इसके बाद सबसे मौजूं सवाल यह है कि क्या न्यायपालिका से आम जनता की उम्मीदें धुंधली हो गई हैं? इस सवाल के जवाब के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सबसे अहम बयान पर गौर करना जरूरी है, जिसमें उन्होंने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए सबके प्रयास और सबके कर्तव्य का आवाहन किया है। आजादी के 75वें साल में देश के गणतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था का लेखा-जोखा करना जरूरी है। इससे दो बातें साफ होती हैं। पहला-रिपोर्ट कार्ड में फेल विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री समेत किसी भी नेता को जनता पांच साल बाद खारिज कर सकती है। अफसरों के खिलाफ मुकदमा और बर्खास्तगी भी आम बात हो गई है। लेकिन न्यायपालिका अब भी औपनिवेशिक आग्रहों से घिरी है। इसकी वजह से संविधान की प्रस्तावना में जनता के कल्याण का सपना अधूरा है। आजादी के बाद 75 सालों में न्यायपालिका के विकास को तीन हिस्सों में समझा जा सकता है। शुरुआती दौर में स्वतंत्र न्यायपालिका को आपातकाल के दौरान इंदिरा सरकार ने हस्तगत करने का प्रयास किया। उसके बाद गठबंधन की सरकारों के दौर में न्यायपालिका ने कॉलेजियमप्रणाली की आड़ में जजों की नियुक्ति पर एकाधिकार हासिल कर लिया। तीसरा चरण 2015 से शुरू होता है, जब सुप्रीम कोर्ट ने एनजेएसी (राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग) कानून को रद्द कर दिया। फैसले में शामिल एक जज ने नियुक्ति व्यवस्था को सड़ांधपूर्ण बताते हुए, पेरस्त्रोइका और ग्लासनोस्त की तर्ज पर न्यायिक व्यवस्था में पुनर्निर्माण का आवाहन किया। कुछ सालों के बाद चार जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस और चीफ जस्टिस के खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव से यह साफ हो गया कि न्यायपालिका भयानक बवंडर के दौर से गुजर रही है। लॉकडाउन के बाद मुकदमों की ऑनलाइन सुनवाई के समानांतर सोशल मीडिया और टीवी में कंगारू कोर्टों में बुलडोजर न्याय की बहस से भी जजों पर भारी दबाव बन रहा है, जिसकी अभिव्यक्ति प्रधान न्यायाधीश के माध्यम से हुई है। सोशल मीडिया के फर्जी एकाउंट्स और आईटी सेलों के माध्यम से अदालती फैसलों के साथ चुनाव, सरकारी नीतियां, संसद के कानून, मीडिया का एजेंडा आदि भी निर्धारित होने लगा है। अभिव्यक्ति को सुरक्षित रखते हुए सोशल मीडिया के फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने का माकूल सिस्टम बने, तो लोकतंत्र के साथ देश का भी भविष्य निर्धारित होगा। सोशल मीडिया जनता की सामूहिक अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है, जिसमें न्यायिक व्यवस्था के सामने कई बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला, जजों की नियुक्ति व्यवस्था को पारदर्शी और जनतांत्रिक बनाने के लिए ठोस सुधार। दूसरा, अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन पर अमल। तीसरा, उच्च न्यायालयों में स्थानीय भाषा का इस्तेमाल। चौथा, अदालतों की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के लिए कानूनी व्यवस्था। पांचवां, जेलों में बंद कैदियों और विचाराधीन बंदियों की जल्द रिहाई।

आजादी के बाद 75 सालों में न्यायपालिका के विकास को तीन हिस्सों में समझा जा सकता है। शुरुआती दौर में स्वतंत्र न्यायपालिका को आपातकाल में इंदिरा सरकार ने हस्तगत करने का प्रयास किया। उसके बाद गठबंधन सरकारों के दौर में कॉलेजियम की आड़ में जजों की नियुक्ति पर एकाधिकार हासिल कर लिया।

विराग गुप्ता

मिला जुला

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार्यशाला में कोविड 19 टीकाकरण, पोषण, एनीमिया, बाल विवाह, शाला त्यागी बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना की अपील

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित एकीकृत बाल विकास परियोजना छिंदगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का परियोजना अधिकारी के द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कोविड 19 टीकाकरण, पोषण, एनीमिया, बाल विवाह, शाला त्यागी बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना। परियोजना के 120 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समुदाय स्तर पर व्यवहार परिवर्तन लाने उनकी मैदानी स्तर में आने वाली चुनौतियों को समझकर समस्याओं के समाधान के लिए जागरूक किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम पंचायत के प्रत्येक मोहल्ले एवं समुदाय से जुड़ी होती है एवं जन कल्याणकारी कार्य करती है। इसलिए समुदाय में जागरूकता लाने अहम भूमिका निभाती है।

कोविड 19 टीकाकरण प्रीकासन डोज के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता

डीएमसी राजेश बघेल यूनिसेफ ने बताया कि शासन कोविड 19 जैसे माहमारी बीमारी के प्रति एवं टीकाकरण पात्र समस्त हितग्राहियों को शतप्रतिशत करने हर संभव प्रयास कर रही है। विशेष रूप से कलेक्टर हरीश एस के द्वारा जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हितग्राहियों को प्रीकासन डोज लगाने समुदाय स्तर में प्रभावशाली व्यक्तियों के सहयोग से पूर्ण कराने अपील किया है। इनके निर्देश से जगह जगह पर कैम्प लगाकर शतप्रतिशत कोविड टीकाकरण एवं जागरूकता लाने प्रयास किया जा रहा है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता

सी-3 से जिला समन्वयक महेश झरकर ने बाल विवाह की दर को कम करने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की अहम भूमिका बताया एवं समुदाय में बाल विवाह होने की स्थिति में टोल फ्री नंबर 1098 में काल कर सूचना देने जागरूक किया। इसके अलावा इन्होंने बाल अधिकार की जानकारी देते हुए शाला त्यागी किशोरों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने अपील की। परियोजना अधिकारी रावटे ने कुपोषित बच्चों को रोस्टर अनुसार एनआरसी में भर्ती करवाने हेतु निर्देश देते हुए कुपोषण, एनीमिया एवं पोषण ट्रेकर पर विशेष कार्य करने कहा। जिला समन्वयक यूनिसेफ राजेश बघेल, जिला समन्वयक सी-3 महेश झरकर, सेक्टर पर्यवेक्षक राजकुमारी कुंजाम एवं अन्य सेक्टर पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

सोनिया से ED की पूछताछ खत्म- नया नोटिस नहीं दिया

पूछा- यंग इंडिया के लेनदेन से जुड़ी कितनी बैठकें 10 जनपथ पर हुईं

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को 3 घंटे पूछताछ की। ED ने उन्हें अब तक कोई नया नोटिस नहीं दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ED ने सोनिया से पूछा कि यंग इंडिया के लेन-देन से जुड़ी कितनी बैठकें आपके घर 10 जनपथ पर हुईं।

मंगलवार को भी जब ED ने उनसे कंपनियों के लेन-देन के बारे में सवाल किया तो सोनिया ने जवाब दिया- कांग्रेस, एसोसिएट जर्नल और यंग इंडियन से जुड़े सभी लेनदेन पूर्व कोषाध्यक्ष मोतीलाल वोरा देखते थे।

बुधवार को पूछताछ के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देशभर में प्रदर्शन किया। संसद भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के कई सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। कांग्रेस मुख्यालय के बाहर महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सुरक्षाबलों ने उठा-उठाकर बसों में भरा। इस दौरान उनकी सुरक्षा बलों से झड़प भी हुई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि देश को पुलिसिया स्टेट में बदल दिया है। सोनिया से ईडी की पूछताछ खत्म होने के बाद दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिए गए सभी सांसदों को रिहा कर दिया।

3 दिन में 12 घंटे सवाल, 5 दिन का ब्रेक भी मिला

पहली बार सोनिया 21 जुलाई को ED दफ्तर पहुंची थीं, यहां उनसे 3 घंटे पूछताछ हुई। इसके बाद 5 दिन का ब्रेक मिला। इसके बाद ईडी ने उन्हें 26 जुलाई को बुलाया गया और 6 घंटे तक सवाल किए। फिर बुधवार को ईडी ने सोनिया को पूछताछ के लिए बुलाया, यहां एजेंसी ने उनसे 3 घंटे पूछताछ हुई। कुल 12 घंटे हुई पूछताछ के दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए हैं।

विवाहिता ने की खुदकुशी, ससुरालियों पर गैर हत्या का आरोप, जांच की मांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

पड़ोसी जिला रायपुर के आरंग थाना अंतर्गत ग्राम बनरसी निवासी 27 वर्षीया विवाहिता नीतू साहू पति खिलावन साहू द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में मृतकों के परिजनों ने मृतिका के ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ना देकर मरने पर मजबूर करने का आरोप लगाया है। मृतिका नीतू साहू की माता बेना बाई, पिता विष्णु,भाई पदम कुमार,दादा भगतराम और चाचा बोधन साहू ने मृतिका के पति खिलावन साहू, ससुर महेश साहू, सास गणेशिया बाई के ऊपर दहेज में मोटरसाइकिल एवं पैसा नहीं लाने को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे जिसकी वजह से ही मीत का नितिन साहू द्वारा सैम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। मृतिका के परिजनों ने उच्चाधिकारियों से मृत्यु के मौत की फॉरेंसिक जांच और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

चिकित्सा व्यापार नहीं अपितु पवित्र सेवा कार्य-डॉ. मानस सतपथी

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जीवन जीने का नाम है। जिसने जीना सीख लिया उसका जीवन सुखमय एवं खुशहाल हो जाता है। जीना सीखना अपने आप में एक सतत् कार्य है, सार्थक दिशा में किया गया सतत् प्रयास ही इंसान को सार्थकता प्रदान करता है। और यह सार्थकता ही आनंद की अनुभूति कराती है, आनंद की इसी अनुभूति को ही हमारे धर्मशास्त्रों में प्रेरणाप्रद कार्य की संज्ञा दी गई है। आज की एक ऐसे वाकया सुनाने जा रहा हूं,इस वाकया में जीवन जीने की कला है। जीवन-आनंद है। यह घटना आज के युवाओं को लिए प्रेरणा बन सकती है, सच कहा गया है, मेहनत एवं ईमानदारी का रंग दिखने में बेसक समय लगे। लेकिन दिखता जरूर है, जी हां तभी तो डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहा गया है। हम बात कर रहे हैं ग्राम तोषगाव के डॉक्टर मानस अंकुर सतपथी की, इन्होंने न केवल अपने चिकित्सीय धर्म की पालन की बल्कि इंसानियत को जिंदा करते हुए एक ऐसे मरीज की सेवा की जिसके पास आम आदमी भी नहीं जाते है। मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में पदस्थ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मानस अंकुर सतपति ने मानवता का परिचय देते हुए ग्राम तोषगांव बड़ा तालाब पदमपुर रोड स्थित शिव मंदिर के बाजू रोड के किनारे गार्डन में कई सालों से निवास कर रहे जख्मी पुजारी का इलाज किया। उसके जांच में घाव हो गया है। आने जाने में परेशानी होती है, इसलिए वे जख्मी पड़े थे। चिकित्सक जब दशकर्म कार्यक्रम के तहत तालाब पहुंचे तो उनकी नजर पड़ी और मानवता का परिचय देते हुए उन्होंने बाबाजी का ड्रेसिंग व उपचार चिकित्सक ने दूसरे दिन सोमवार को भी तालाब पहुंचकर उनकी ड्रेसिंग की। चिकित्सक मानस अंकुर सतपति कहते है कि जीवन जीने का नाम है। जिसने जीना सीख लिया उसका जीवन सुखमय एवं खुशहाल हो जाता है। उन्होंने बताया कि वह पूज्य सत्यप्रकाश सतपथी ;सत्या गुरुजीद्ध के किया। दशकर्म में सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए गांव के बड़ा तालाब पदमपुर रोड स्थित शिव मंदिर के बाजू में रोड के किनारे गार्डन में पहुंचे थे। जहां उनकी नजर एकांत में रह रहे पुजारी पर पड़ी और फिर उन्होंने उनका इलाज किया।

कर्मचारियों की हड़ताल जारी, टीचर एसोसिएशन ने सरकार को भेजा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आवाहन पर गत सोमवार से जारी पांच दिनी हड़ताल आज तीसरे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते पढ़ाया सभी विभाग में कामकाज पूरी तरह ठप्प हो गए हैं। सरकारी मुलाजिमों को महंगाई भत्ता नहीं मिल रहा है दूसरी ओर मंत्री और विधायकों के वेतन में लगातार वृद्धि की जा रही है। सरकार की दोहरी नीति के खिलाफ फेडरेशन का हड़ताल में शामिल छत्तीसगढ़ टीचर एसोसिएशन जिला महासमुंद की ओर से 27 जुलाई को मुख्यमंत्री मुख्य सचिव वित्त विभाग के सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर देय तिथी से 34: महंगाई भत्ता व सातवें वेतनमान के आधार पर ग्रीन भाड़ा भत्ता प्रदान करने की मांग की गई है। संघ के जिलाध्यक्ष नारायण चौधरी ने कहा है किए अभी भी राज्य के कर्मचारियों-अधिकारियों व शिक्षकों को केवल 22: महंगाई भत्ता दिया जा रहा है तथा पेंशनरों को केवल 17: महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि केंद्र सरकार व अन्य राज्य सरकारों द्वारा कर्मचारियों, अधिकारियों, शिक्षकों व पेंशनरों को 34: महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों को 12: कम महंगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है तथा गृह भाड़ा भत्ता को अब तक सातवें वेतनमान के आधार पर पुनरीक्षित नहीं किया गया है जिससे छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों शिक्षकों अधिकारियों व पेंशनरों को प्रति माह 4000 से 14000 तक आर्थिक नुकसान हो रहा है।

जिले में गरिमामय एवं परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा हरेली त्यौहार

प्रदेश सरकार ने गरिमा और परंपरा के साथ हरेली पर्व मनाकर त्यौहार की लोकप्रियता पूरे देश में बढ़ाया-व्याख्याता राजेन्द्र प्रेमी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

* स्थानीय लोक गायक चंदन दास ने गीत के माध्यम से पर्व की महत्ता का किया गुणगान

युवाओं में पर्व के लोकप्रियता के प्रति दिखा उत्साह

जिले में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक त्यौहार हरेली को बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। हरेली छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्व है। यह किसानों का त्यौहार है। किसान खेती उपकरणों का पूजा करते है। घरों में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाए जाते है। प्रदेश सरकार द्वारा अपने कार्यकाल में इस त्यौहार को पूरी गरिमा और परंपरा के साथ मनाकर पर्व की लोकप्रियता को राज्य सहित पूरे देश में बढ़ाया है। अब युवा पीढ़ी भी इस त्यौहार का महत्व समझ रही है और इस पर गर्व महसूस कर रही है। जिले के नागरिकों द्वारा हरेली पर्व के संबंध में अपने विचार साझा किए गए है। व्याख्याता राजेन्द्र प्रेमी ने बताया कि हरेली पर्व छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार है। यह श्रावण मास की प्रथम अमावस्या को मनाया जाता है। किसान अपने खेतों में निंदाई बुआई कर इस दिन हल, बैल सहित अन्य खेती उपकरणों की विधिवत पूजा करते है। घरों में बरा, फ रा, अईरसा, ठेठरी जैसे पारंपरिक व्यंजन पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाए जाते हैं। जिसे अपने इष्ट देव को अर्पण कर लुत्फ लिया जाता है। गांवों में गेड़ी चढ़ना, नारियल फेंक, रस्सा-कस्सी, फ ुगड़ी जैसे पारंपरिक खेल का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि लोग धीरे-धीरे इस त्योहार की महत्ता को भूलते जा रहे थे। युवा वर्ग इस त्यौहार की गरिमा से तो पूरी तरह अनभिज्ञ हो रही है। प्रदेश सरकार ने इस दिन विविध कार्यक्रम आयोजित कर पर्व की महत्ता को बढ़ाया है। गौठानो में पारंपरिक खेल छत्तीसगढ़ी पकवान सहित अन्य रोचक कार्यक्रम कराए जाते हैं। जिससे हरेली की लोकप्रियता को जन जन तक पहुंचा है। जशपुर के प्रसिद्ध स्थानीय लोक गायक चंदन दास महंत ने भी सादरी भाषा में गीत के माध्यम से पर्व की महत्ता का गुणगाान करते हुए बताया कि हरेली किसानों का त्यौहार है एवं किसान किस प्रकार इस त्यौहार को परंपरागत तरीके से मनाते है। इसी प्रकार जिले के नवसंकल्प शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों में पर्व की लोकप्रियता के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। उनके द्वारा हरेली त्यौहार की विशेषताओं की जानकारी देते हुए युवा वर्ग में पर्व के प्रति उत्साह का संचार किया। उन्होंने सभी लोगों को धूमधाम से हरेली त्यौहार मनाने के लिए प्रेरित किया।

भौतिकी व जंतु विज्ञान संकाय में सीट बढ़ाने की मांग

छात्र नेताओं ने संसदीय सचिव को सौंपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एमएससी के भौतिकी व जंतु विभाग के संकाय में सीट बढ़ाने की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष व संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर से मुलाकात की। जिस पर अध्यक्ष चंद्राकर ने उचित पहल करने का आश्वासन दिया है। कॉलेज के छात्र नेता प्रतीक चंद्राकर, कुम्भज चंद्राकर, हंसराज चंद्राकर, हर्ष साहू, आर्यन साहू, सूर्यांश शुक्ला आदि संसदीय सचिव निवास पहुंचकर संसदीय सचिव व कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष चंद्राकर से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान छात्र नेताओं ने चंद्राकर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वर्तमान में शासकीय वल्लभाचार्य महाविद्यालय महासमुंद में एमएससी भौतिक एवं जंतु विज्ञान की सिर्फ 20-20 सीटे हैं। जिसके कारण उक्त विषय में 20-20 विद्यार्थियों के अलावा जो अन्य विद्यार्थी है वो उक्त विषय अध्ययन करना चाहते हैं वे इसका लाभ नहीं उठा पा रहे है। जिले में उक्त विषयों का यह एकमात्र कॉलेज है। लेकिन सीट कम होने से विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने छात्रहित को देखते हुए सीटे बढ़ाए जाने की मांग की। जिस पर अध्यक्ष चंद्राकर ने तत्काल इस दिशा में उचित पहल करने का आश्वासन दिया।

हरेली तिहार पर जिले के गौठानों में होगी पारंपरिक कार्यक्रमों की धूम

गेड़ी दौड़, फुगड़ी, भौंरा, रस्साकसी आदि की होंगी स्पर्धाएं

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ राज्य का पहला त्यौहार है, जो छत्तीसगढ़ की ग्रामीण कृषि संस्कृति, परंपरा एवं आस्था से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के तीज त्यौहार, परंपरा एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने की पहल के चलते हरेली सहित अन्य तिहार जैसे पोला तीजा, छेरछेरा पुन्नी आदि का आयोजन बीते तीन सालों से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को अपनी परंपरा और संस्कृति से जोड़ना है। ताकि लोग छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला संस्कृति, तीज त्यौहार एवं परंपराओं पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ी तीज.त्यौहारों पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक हिस्सा ताकि लोग छत्तीसगढ़ी तीज-त्यौहारों के अवसर पर अपनी बढ़-चढ़कर भागीदार सुनिश्चित कर सकें। कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी गौठानों में 28 जुलाई 2022 को हरेली त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को हरेली पर्व मनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा अनुरूप कृषि विभाग द्वारा गौठानों में हरेली तिहार के दिन 28 जुलाई को ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर ग्रामीणों के मध्य गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फु गड़ी, रस्साकशी, भौंरा, नारियल फेंक आदि की प्रतियोगिताएं तथा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन आदि की भी स्पर्धाएं होंगी। हरेली तिहार के दिन गौठानों में पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के लिए विशेष कैम्प का भी आयोजन किया जाएगा। गौठानों में पशुओं को नियमित रूप से भेजनेए खुले में चराई पर रोक लगाने तथा पशु रोका.छेका अभियान में सभी ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी को लेकर भी चर्चा की जाएगी। हरेली तिहार के दिन किसानों को भी गौठानों में विशेष रूप आमंत्रित कर खेती.किसानी के संबंध में उन्हें समसमायिक सलाह देने के साथ ही उन्हें वर्मी कम्पोस्ट का खेती में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गौठानों के प्रबंधनए क्रय किए गए गोबरए उत्पादित वर्मी कंपोस्ट के रखरखाव सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की जाएगी तथा गौठानों में गोबरए वर्मी कम्पोस्ट आदि के सुरक्षित रख.रखाव के लिए छायादार चबूतराए तिरपाल आदि के प्रबंध की पहल की जाएगी। हरेली तिहार के मौके पर जनप्रतिनिधियों, गौठान प्रबंधन समिति के सदस्यों, स्व.सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों द्वारा फ लदार, छायादार पौधों विशेषकर कदम का रोपण किए जाए।

चीला, बड़ा, सोहारी, गुलगुला भजिया जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महकेंगे गोठान

शासकीय कॉलेज बेरला में वृक्षारोपण

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एवं धरती को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से बारिश के दिनों में वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रेमलता गौरे एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी युवराज पावले के मार्गदर्शन में महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता एवं वृक्षारोपण किया गया। जिसके अंतर्गत आम, कनेर, सीताफ ल, अमरूद के पौधे लगाए गए जिसमे सहायक प्राध्यापक खुशबू ध्रुव, गिरजा वर्मा, आशीष एक्का एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को पौधों की सुरक्षा में विशेष ध्यान दिये जाने की समझाईश दी। प्राचार्य ने आम लोगों से बारिश के दिनों अधिक से अधिक पौधे लगाने का आव्हान किया।

14 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल, डीएसपी राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में थाना/चौकी प्रभारियो के द्वारा प्रतिदिन पुरे जिले में स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को पकड़ने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत थाना बेमेतरा स्टाफ के द्वारा माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट बेमेतरा न्यायालय के प्रकरण क्र.541/08, धारा 252, 354,341,456,34 भादवि में 14 साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी वीरेन्द्र कुमार चंदेल पिता मनबहल चंदेल उम्र 56 साल साकिन पिकरी थाना व जिला बेमेतरा हाल पता वार्ड नं.67 हाई स्कुल के पीछे कोनी बिलासपुर को जरिये मुखबिर कि सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा गया। उपरोक्त वारंटी को 27 जुलाई 2022 को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक प्रेम प्रकाश अवधिया, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवारी, हेमंत साहू, राहुल यादव, राजेश ध्रुव, शिव कुमार सेन, मुकेश माहिरे एवं अन्य स्टाफ शामिल थे।

एक नजर

किसान नेता ने कर्मचारियों के हड़ताल को अवैध करार दिया

अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए सीएम को पत्र भी लिखा

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

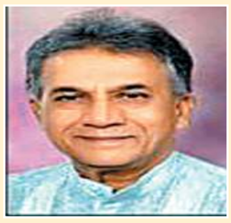

किसान मजदूर संघ छत्तीसगढ़ के संयोजक ललित चंद्रनाहू ने कर्मचारी-अधिकारियों की हड़ताल को अवैध घोषित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि राज्य के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा केन्द्र सरकार के समान गृह भता और महगाई भत्ता के भुगतान की मांग को लेकर 25 जुलाई से जारी हड़ताल अवैधानिक है। क्योंकि केन्द्र सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदस्थापना अंतर प्रांतीय किया जाता है। जबकि राज्य के अधिकारियों कर्मचारियों की पदस्थापना राज्य के अंतर्गत और अनेक अधिकारियों-कर्मचारियों की पदस्थापना उनके गृह जिले और गृह नगर में भी है। केन्द्र सरकार के घोषित अवकाश की तुलना में राज्य शासन का घोषित अवकाश में बहुत अंतर है। केन्द्र सरकार के वेतनमान और गृह भता व महंगाई भत्ता के अनुरूप मांग किया जाना अनुचित और अवैधानिक है। इसलिए इस काम बंद हड़ताल को अवैध घोषित कर अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई किया जाना जनहित में आवश्यक है।

52 परियों के दो प्रेमी पुलिस ने पकड़े, 15 हजार बरामद

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

पुलिस ने समेरा डेरा के पीछे जुआ खेलते हुए युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 15 हजार रुपए नकद और दो बाइक मोबाइल जब्त की है। तुमगांव पुलिस ने बताया कि तुमगांव निवासी चोवाराम साहू और लोहारडीह निवासी शिवा सतनामी समेरा डेरा के पीछे जुआ खेल रहे थे जिसे मुखबिर की सूचना पर पकड़ा। आरोपियों से 15070 हजार रुपए नकद, 2 बाइक कीमती 60 हजार रुपएए 2 नग मोबाइल कीमत 10 हजार कुल 85070 रुपए और ताश पत्ती जब्त कर 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की।

बर्तन दुकान में सेंधमारी, 45 हजार का बर्तन पार

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

दीवार में छेदकर दुकान में घुसे अज्ञात ने 45 हजार रुपए का बर्तन पार कर दिया। पुलिस ने संचालक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत जुर्म दर्ज किया है। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम परसकोल निवासी भुवन साहू ने पुलिस को बताया कि वे 25 जुलाई की रात अपना किराना और बर्तन दुकान बंद कर घर चला गया था। 26 जुलाई की सुबह जब वह दुकान पहुंचा तो दुकान के अंदर बर्तन अस्त.व्यस्त पड़ा था। दुकान की दीवार के नीचे छेद था और 45 हजार रुपए के पीतल तांबा और स्टील के बर्तन गायब था।

हरेली दिन खेलगांव में किया जाएगा एक दिवसीय महिला अभ्यास कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

छत्तीसगढ़ के पहली त्योहार हरेली के पावन पर्व पर एक दिवसीय महिला अभ्यास कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए ओमकारा स्पोर्ट्स क्लब खेलगांव नवागांव के कोच ओमकार जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व पहली त्योहार हरेली के दिन पानी टंकी खेल मैदान खेलगांव में एक दिवसीय महिला अभ्यास कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा दोपहर 12 बजे से प्रतियोगिता प्रारंभ होगी महिला कबड्डी मैच लीग कम नाक आउट पद्धति से खेला जाएगा जो भी महिला टीम प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं। वो टीम 9691652454 पर संपर्क कर प्रवेश ले सकते है केवल 12 टीमो को ही प्रवेश दिया जाएगा।

सीआरपीएफ के 83 वें स्थापना दिवस पर जिले के दोरनापाल स्थित 74वीं वाहिनी सीआरपीएफ में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

सीआरपीएफ के 83 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के दोरनापाल स्थित 74वीं वाहिनी सीआरपीएफ में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में सबसे पहले बल तथा वाहिनी के शहीदों को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई जिसमें शहीद स्थल पर शहीदों को। माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर शहीदों को सम्मान दिया गया तथा उन्हें याद किया गया। दोपहर बाद विभिन्न खेल कार्यक्रमों आयोजन किया जिसमें वाहिनी मुख्यालय में उपस्थित सभी जवानों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, तथा अधिकारियों ने जवानों की होसला अफ जाई की। आयोजन के समापन की कड़ी में रात्री भोजन के समय बडे खाने का आयोजन किया गया जिसमे मुख्यालय में उपस्थित अधिकारियों अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने साथ बैठ कर विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर वाहिनी कमांडेट डीएन यादव द्वारा सभी जवानों एवं उनके परिवारों को शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर क्षीरसागर और जनसंपर्क अधिकारी पराशर के खिलाफ प्रेस क्लब का निंदा प्रस्ताव

भयभीत जिला प्रशासन पर दबाव में काम करने का आरोप

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

महासमुंद प्रेस क्लब महासमुंद की आपात बैठक गत दिनों सांस्कृतिक भवन में हुई। बैठक में जिला प्रशासन की अतिवादी कार्यप्रणाली पर रोष जाहिर करते हुए कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर और जिला जनसंपर्क अधिकारी शशिरन पराशर के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। उल्लेखनीय है कि महासमुंद में समानांतर संगठन चला रहे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आधा दर्जन लोगों द्वारा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार करने की धमकी जिला प्रशासन को दी गई है। इससे जिला प्रशासन भयभीत होकर चंद लोगों के दबाव में काम कर रहा है। बिना पूर्व सूचना के आनन फानन में जिला प्रशासन की पांच सदस्यीय कमेटी जांच के नाम पर प्रेस क्लब पहुंच गई। जिला प्रशासन की उपस्थिति पत्रक में हस्ताक्षर लिए। बाद में उसमें मनगढ़ंत पंचनामा तैयार कर 20 जुलाई की रात में प्रेस क्लब अध्यक्ष आनंदराम पत्रकार को वाट्सऐप कर 22 जुलाई तक दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने कहा। इस संबंध में प्रेस क्लब का प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर से मिलकर चर्चा करना चाहते थे। 21 जुलाई को दोपहर में मिलने पहुंचे प्रेस क्लब के सदस्यों से कलेक्टर ने मिलने से इंकार कर दिया। अपर कलेक्टर लिंक कोर्ट में सरायपाली गए हैं। यह जानते हुए भी कलेक्टर ने दफ्तरों के मार्फत संदेश भेज दिया कि अपर कलेक्टर से मिलकर टीम 20 जुलाई की शाम शिकायतकर्ताओं को साथ लेकर पहुंच थी। जहां कोरे कागज में उपस्थिति पत्रक तैयार किया। प्रेस क्लब में उपस्थित पत्रकारों की चर्चा कर लें।

वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ पीआरओ की आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़का रोष

पत्रकार कलेक्टर के मीटिंग हाल से निकलने की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह जानते हुए भी प्रेस क्लब के 20-25 पत्रकारों की अनदेखी करते हुए कलेक्टर सीधे चले गए। जिला प्रशासन को वाद कार्यप्रणाली के विरोध में प्रेस क्लब अध्यक्ष आनंदराम पत्रकार ने प्रेस क्लब में निंदा प्रस्ताव रखा। जिसे नि मत से सभी पत्रकारों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसी प्रकार वरिष्ठ पत्रकार राजेश शमा ने सदन का ध्यानाकर्षण कराया कि जांच के नाम पर प्रेस क्लब पहुंचे सहायक संचालक जनसंपर्क शशिस्त्र पराशर द्वारा एक वरिष्ठ पत्रकार पर आपतिजनक टिप्पणी की गई। जनसंपर्क अधिकारी के इस कृत्य के लिए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। प्रेस क्लब की बैठक में प्रमुख रूप से राजेश शर्मा, बबूलाल साहू, सालिकराम कनौजे राजय उछले, संजय महती कपी सह जववार को रखेश सोनी देवीचंद राठी, विपिन दुबे, दिनेश पाटकर, अजय पांडेयए उत्तरा विदानी संजय यादव, आशुतोष शर्मा, रविन्द्र विदानी, प्रभात महती विजय चौहान, भरतलाल यादव नवीन तिची विक्रम साह महेंद्र यादव कुजू रात्र, सोहेल अकरम, अनिल चौधरी उपस्थित थे।

मेट मजदूरों के मजदूरी को लेकर सरकार ने दिया संशोधन का आदेश

अब मनरेगा के मेट को मिलेगा 392 रूपये और माह में सप्ताह का काम अनिवार्य

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

पंचायतो में मनरेगा काम में संलग्न मेट मजदूरों की व्यथा आखिर राज्य सरकार ने सुन ली। छग के मेट अपने कामकाज और कम मजदूरी को लेकर बेहद परेशान थे जॉब कार्डधारियों के तरह इनको ना डेढ सौ मानव दिवस का काम मिल रहा था और ना ही मनरेगा मेट को मजदूरो के समान मजदूरी ऐसे में मेट गर्मी के दिनों मनरेगा काम मे महज छह दिन का 192 रूपये की दर से मिलने वाले मजदूरी से ही संतुष्ट होना पड रहा था।मेट अपनी व्यथा को लेकर अपनी मांग रखने प्रदेशभर में संगठन तैयार कर लिये थे। मेट के इस व्यथा को जोहार छग ने प्रमुखता उठाया। बीते 25जुलाई को मेट के इन समस्याओ को लेकर समाचार प्रकाशित किया था और समाचार प्रकाशन के दो दिन के

भीतर ही छग श्रमायुक्त ने आदेश जारी कर मनरेगा के मेट को बड़ी राहत दे दी है।

मिलेगा रोजाना 392रूपये और माह में दो सप्ताह का काम

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के वार्षिक परिपत्र के अनुसार मेट को अर्धकुशल श्रमिक के रूप मे भुगतान के आदेश के परिपालन कर मनरेगा परिषद के विकास भवन ने 26जुलाई को आदेश जारी कर मनरेगा मेट के मजदूरी में 192 रूपये से 392 कर भारी वृध्दी कर दी है वही इसी आदेश मे मनरेगा मेट के मानव दिवस में कम से कम दो सप्ताह की अनिवार्यता भी कर दिया है। साथ ही आदेश मे यह भी लिखा हुआ है मेट यदि दो माह से अधिक काम करना चाहते है तो अकुशल श्रमिक के रूप मे कार्य कर सकते है।

मनरेगा मेट संगठन मे आदेश को लेकर खुशी

मनरेगा के मेट के मजदूरी संशोधन से छग सहित देवभोग के मेट संगठन पदाधिकारीयो मे देवभोग अध्यक्ष जोगेन्द्र यादव,सचिव टेकराम मरकाम और उपाध्यक्ष प्रकाशचंद्र शर्मा ने खुशी जाहिर करते हुये भारत सरकार और राज्य सरकार की तारीफकी है।वही मेट संगठन का कहना है सरकार मेट के स्थायी काम पर रखे जाने पर विचार कर देती तो मेट कर्मीयो के जीवन यापन लिये बड़ा कदम होता।साथ ही इन्होने सरकारों के प्रति इस बिन्दु पर भी पहद करने पर विश्वास जताया है।

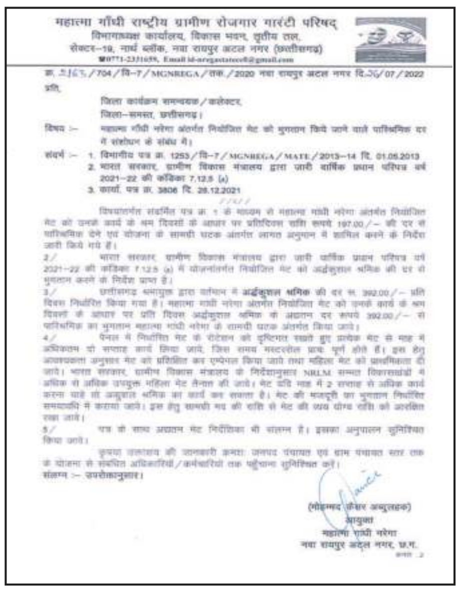
महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद्
विभागाध्यक्ष कार्यालय, विकास भवन, तृतीय तल,
सेक्टर-19, नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर अटल नगर (छत्तीसगढ़)

क्र. 2165/704/वि-7/MGNREGA/तक./2020 नवा रायपुर अटल नगर दि. 26/07/2022

प्रति,
जिला कार्यक्रम समन्वयक/कलेक्टर,
जिला-समस्त, छत्तीसगढ़।

विषय :- महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत नियोजित मेट को भुगतान किये जाने वाले पारिश्रमिक दर में संशोधन के संबंध में।

संदर्भ :- 1. विभागीय पत्र क्र. 1253/वि-7/MGNREGA/MATE/2013-14 दि. 01.06.2013
2. भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक प्रधान परिपत्र वर्ष 2021-22 की कंडिका 7.12.5 (a)
3. कार्या. पत्र क्र. 3806 दि. 28.12.2021

संलग्न :- उपरोक्तानुसार।

(मोहम्मद कैसर अब्दुलहक)
आयुक्त
महात्मा गांधी नरेगा
नवा रायपुर अटल नगर, छ.ग.

एक नजर

छात्र नेता वैभव यादव ने अपने जन्मदिवस असमर्थ जैसे बच्चों के बिच मनाया

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी छात्र संगठन के छात्र नेता एवं पूर्व बेमेतरा जिला मीडिया प्रभारी वैभव यादव ने अपने जन्मदिवस को बहुत ही अद्भुत तरीके से मनाया। आपको बता दे की छात्र नेता वैभव यादव ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर कोपल वाणी संस्था जो कि श्रवण बाधित बच्चों की आवासीय विद्यालय एवं महाविद्यालय है। वहां पहुंच कर उन्होंने अपना जन्मदिवस मनाया। उन्होंने बताया कि संस्था में कुल 70 से 80 बच्चे रहते हैं और वही पढ़ाई करते है। एवं यहां विद्यालय से महाविद्यालय तक की शिक्षा व्यवस्था है। ये ऐसे बच्चों की संस्था है जो बोलने और सुनने में असमर्थ है। छात्र नेता वैभव यादव ने आगे बताया की अपने जन्मदिवस को इन बच्चों के साथ मनाकर मुझे बहुत खुशी हुयी। एवं जीवन में किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानने की प्रेरणा भी मिली। आपकों बता दे की इस अवसर पर उन्होंने सभी बच्चों के लिए खाद्य सामग्री की भी व्यवस्था की। तथा उन्होंने बच्चों से उनके स्पेशल साइन भाषा में बात कर सभी संस्था के कर्मचारियों से भी मुलाकात की।

ए.सी.सी.यू बिलासपुर एवं कोटा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही,चोरी करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

प्रार्थी सुनील दास मानिकपुरी साकिन कोटा द्वारा ग्राम गनियारी में कैलाश वाटिका में एसी,इनवर्टर,बैटरी चोरी होने की रिपोर्ट पर थाना कोटा में 08 जून 2022 को रिपोर्ट दर्ज किया गया था। विवेचना

दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं मार्गदर्शन में एसीसीयू, बिलासपुर एवं कोटा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आरोपीगण, सरातु उर्फ अक्षय वर्मा, कुनानू उर्फ नानू वर्मा निवासी वर्मा मोहल्ला गनियारी के घर घेराबंदी कर रेड करवाई किया गया। आरोपियों के पेश करने पर एसीएइनवर्टर,बैटरी तथा अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जुमला कीमती 50000 जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा सबूत का पाए जाने से विधिवत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर लिया गया है।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	-	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	-	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	-	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़
कार्यालय धरमजयगढ़
मो, 9479177711, 7489419194 ,7879121221

सफलता की कहानी

जिल के 1700 किसान नाशपाती की खेती से हो रहे लाभान्वित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जशपुर जिले के दूरस्थ अंचल के किसान अपने खेतों में साग सब्जी के साथ चाय, काजू, मिर्च, टमाटर, आलू और नाशपाती की अच्छी खेती करते हैं। बगीचा विकास खंड क्षेत्र के पठारी क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर नाशपाती की पैदावार हो रही है। और किसानों को इससे अच्छा मुनाफा भी मिल रहा है। जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा उठ रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रहे है। कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में किसानों को खेती के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और किसान आर्थिक रूप से संपन्न बने इसके लिए कृषि विभाग,

उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग के द्वारा उन्हें छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत सचांलित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही उन्हें आधुनिक खेती की जानकारी दी जा रही ताकि जिले के किसान कम लागत से अच्छी आमदनी कर सके। उद्यान विभाग के सहायक संचालक आरएस तोमर ने बताया कि जिले के किसानों को नाशपाती की खेती के प्रति बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग की फल क्षेत्र विस्तार योजना और नाशपाती क्षेत्र विस्तार योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

बगीचा विकासखंड के लाभांवित किसान विरेन्द्र कुजूर उद्यान विभाग की नाशपाती क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेकर अपने उद्यान में 250 पेड़ लगाए है। उन्हें प्रतिवर्ष नाशपाती फल से अच्छी आमदनी हो रही है। वर्ष 2021-2022 में फलदार पौधे से साल में लगभग 3 लाख रुपए आय प्राप्त कर चुके है।

जैविक खाद के उपयोग से हो रहा मुनाफा-अनेश

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

फसलों में जैविक खाद के उपयोग करने से फसल उत्पादन में वृद्धि हो रही है। जिले के नगर पंचायत मारो विकासखण्ड नवागढ़ के कृषक अनेश साहू पिता पुनित साहू ने बताया कि वे विगत कई वर्षो से कृषि कर रहे है। जिसमें वे लगातार रासायनिक उर्वरको का उपयोग कर रहे थे।

लेकिन इस वर्ष कृषक द्वारा कृषि विभाग के ग्रा.कृ.वि.अधिकारी मार्गदर्शन से 0.40 हेक्टेयर में रासायनिक खाद की मात्रा में कमी करते हुये 2 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट खाद का भी उपयोग किया गया। जिससे की धान की फसल गत वर्ष की अपेक्षा अधिक अच्छी है एवं किट व्याधि आदि का प्रकोप नहीं हुआ है। कृषक ने बताया कि उनके खेत की मिट्टी गत् वर्ष की अपेक्षा अधिक नरम व उपजाऊ है। जिसका सीधा प्रभाव धान की फसल पर दिख रहा है। किसान ने यह भी बताया की धान की फसल में वे हर वर्ष 5 से 10 किलो जिंक सल्फेट डालते थे। लेकिन इस वर्ष जिंक सल्फेट का उपयोग नहीं किया गया है। केवल वर्मी कम्पोस्ट खाद के उपयोग से ही फसल की जिंक व अन्य माइक्रोन्यूट्रियन्ट की कमी पुरी हो गई है। जिससे फसल अधिक हरी-भरी व अधिक कंसे लिये हुये है। कृषक द्वारा मेडो पर अरहर लगाकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त किया जा रहा है। कृषक ने अपने आस-पास के कृषको को भी वर्मी कम्पोस्ट खाद उपयोग करने की सलाह दी एवं आगामी वर्षो के लिए अपने संपूर्ण खेतो में वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग करने की रूचि जताई है।

कलेक्टर ने जनचौपाल के दौरान बारी-बारी से सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने कल संयुक्त जिला कार्यालय कलेक्टोरेट परिसर में आयोजित आम जनता से साप्ताहिक भेंट मुलाकात कार्यक्रम जनचौपाल के दौरान जिले के विभिन्न गांवों से आये आम नागरिकों की फरियादें सुनी और उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साप्ताहिक जनचौपाल के दौरान आम नागरिकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित 20 आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर ने बेरला विकासखण्ड के ग्राम कठिया निवासी स्व. ढेलुराम निषाद को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दिए जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन को तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जनचौपाल में मृतक के बड़े भाई फिरंगी राम निषाद, परिजनों एवं ग्रामवासियों ने कलेक्टर के समक्ष संदिग्ध मौत की जांच कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। इसके अलावा जनचौपाल में ग्राम किरीतपुर निवासी सालिक राम व परस राम साहू ने खेत में लगे टावर

खम्भे की मुआवजा राशि दिलाये जाने के संबंध में आवेदन दिया। ग्राम बरगड़ा के ग्रामवासियों ने चना बीमा की राशि दिलाये जाने के संबंध में आवेदन दिए। ग्राम पंचायत मऊ निवासी सुनिता ध्रुव ने गोबर खरीदी की भुगतान किये जाने के संबंध में आवेदन दिए। ग्राम खण्डसरा निवासी रामचंद साहू ने क्षतिपूर्ति सहायता राशि दिलाये जाने, ग्राम खिसोरा निवासी रुखमणी बाई ने सड़क निर्माण पश्चात पानी निकासी के संबंध में, ग्राम संबलपुर तहसील नवागढ़ निवासी लक्ष्मी बाई ने कब्जा हटाने एवं सरपंच के अवैध हस्तक्षेप के संबंध में, ग्राम खिसोरा निवासी पिताम्बर साहू ने राशनकार्ड निरस्त करने के संबंध में आवेदन दिए। ग्राम पतोरा तह. बेरला निवासी सकिया बाई ने निराश्रित पेंशन एवं राशनकार्ड बनाये जाने से संबंधित आवेदन दिए।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार इसका निराकरण करने के निर्देश दिए। यदि तकनिकी कारणों से निराकरण नहीं हो पा रहा हो तो इसकी सूचना संबंधित आवेदक को भी दी जाये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी, सीईओ लीना मण्डावी, अनुविभागीय अधिकरी राजस्व बेमेतरा युगल किशोर उर्वशा, बेरला संदीप ठाकुर, नवागढ़ प्रवीण तिवारी साजा धनराज मरकाम, कार्यपाल अभियंता जलसंसाधन सीएस शिवहरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी,उप संचालक समाज कल्याण अजय कुमार गेडाम, उप संचालक कृषि एमडी मानकर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी होरी सिंह ठाकुर, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक शैलेश पांडेय जनता के बीच बेचारा,लाचार बनने की कोशिश क्यों कर रहे

शैलेश के कार्यकाल को तीन साल हो गए लेकिन जमीनी स्तर पर कहि कोई काम नहीं दिखता

जोहार छत्तीसगढ़-बिलासपुर।

इस समय बिलासपुर शहर पुरी तरह से ऑटो मोड में चल रहा है। जनता ने सोचा बदलाव लाएंगे तो हो सकता है शहर का विकास होगा। बेरोजगारो को रोजगार मिलेगा।

* आखिर विधायक शैलेश मीडिया फोबिया से बाहर कब निकलेंगे

* शैलेश ने इन तीन वर्षों में जो भी घोषणा की वो कितनी पूरी हुई ये भी सोचने वाली बात

स्वास्थ्य की सुविधाएं बढ़ेगी,आम समस्याओं से निजात मिलेगी रोड एनाली एपानी की समस्या पूर्व की तरह नही रहेगी लेकिन ऐसा बदलाव के बाद भी कुछ होता दिखाई नही दे रहा है। बल्कि शहर इस समय आटो मोड़ में चला गया है क्योंकि शहर के हर चोक चौराहों की नुक्कड़ सभाओं में ये बात सुनने को मिल रही है कि विधायक शैलेश अपने आपको लाचारएबेबस साबित करने में लगे कि मेरी कोई नहीं सुनता इस बेबसी ओर लाचारी से जनता को कोई लेना देना नही उन्होंने आपको काबिलियत के आधार पर वोट दिया था कि एक शिक्षाविद अच्छी सोच का व्यक्ति विधायक बनेगा तो शहर का विकास होगा। लेकिन जनता अब इसे ठगा महसूस कर रही है जैसा उन्होंने सोचा था वैसा इन तीन वर्षों में कही होता नही दिखाई दिया बल्कि शहर का विकास जैसे रुक सा गया हो। बिलासपुर विधायक शैलेश पांडेय इन तीन वर्षो में मीडिया फोबिया से बाहर नहीं निकल पाये है उन्हें लगता है मीडिया में घोषणा करने से शहर का विकास हो जाएगा। लेकिन सच्चाई इस बात से कोसो दूर है शहर के विकास के लिए जमीनी स्तर पर संघर्ष करना पड़ता है जो विधायक की कार्यशैली में कही दिखाई नही दे रहा है अभी तक के कार्यकाल को देख जाए तो विधायक ने सिर्फ कागजों में घोषणा की लेकिन वो घोषणाएं कितनी पूरी हुई ये जांच का विषय है आखिर विधायक कब जमीनी स्तर पर कार्य करने उतरेंगे या जनता के बीच बेचारा लाचार बनके फिर से जनता के दिल मे जगह बनाने की कोशिश करते रहेगें जिससे उन्हें आने वाले विधानसभा चुनाव में टिकिट मिली तो जनता उन्हें फिर से मौका दे।

हड़ताल के तीसरे दिन छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के कर्मचारी डटे रहे

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

हड़ताल के तीसरे दिवस भी छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के कर्मचारी डटे रहे अपनी 2 सूत्रीय मांग 34: महंगाई भत्ता और सातवें वेतन मान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ता हेतु अपनी आवाज बुलंद करते रहे। शासन तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए कई सारे प्रखर वक्ताओं ने अपने वाणी का उद्बोधन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष हुंगा राम मरकाम भी धरना स्थल पर उपस्थित हुए और कर्मचारियों का समर्थन करते हुए शासन से मांग किया कि जल्द ही केंद्र सरकार के अनुरूप 34: महंगाई भत्ता और सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के ब्लॉक सहसंयोजक सोनाधर मांझी ने भी आवाज बुलंद करते

हुई शासन से कहा कि हमें अविलंब 34: डीए और सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए अन्यथा पांच दिवसीय निश्चित कालीन हड़ताल के पश्चात अगले चरण में हम अनिश्चितकालीन आंदोलन में जाने के लिए बाध्य होंगे। इसके लिए संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन को समर्थन दे रहे सर्व शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार पुजारी ने कहा कि कोई भी कर्मचारी शौक से हड़ताल नहीं करता है। मजबूरी में ही हड़ताल करना पड़ता है, शालाओं में बच्चों को पढ़ाना अति महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके ना चाहते हुए भी शिक्षक हड़ताल को मजबूर हैं। शासन को समय-समय पर देय महंगाई भत्ता को रोक कर रखना न्याय संगत नहीं है। महंगाई अपने चरम पर है और कर्मचारी इस महंगाई की मार को झेल रहा है। विगत 2 सालों से महंगाई भत्ता सही समय पर नहीं मिल रहा है। जिसका खामियाजा आम कर्मचारी अधिकारी को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने शासन से मांग किया कि अविलंब 34: डीए जो कि केंद्र शासन से 12: पीछे है और सातवें वेतनमान के अनुरूप भाड़ा भत्ता दिया जाए। वर्तमान में कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान में 34: डीए दिया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -नारायण बाईन, फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in